महाकुंभ 2025 में ड्रोन शो

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार **महाकुंभ 2025** के दौरान एक **ड्रोन शो आयोजित करने की योजना बना रही है,** जिसमें महाकुंभ और प्रयागराज से संबंधित **पौराणिक कथाओं को दर्शाया जाएगा।**

मुख्य बिंदु

- **ड्रोन शो की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **2,000 प्रकाशित ड्रोनों का एक बेड़ा 'प्रयाग महात्म्यम' और महाकुंभ की पौराणिक कथाओं का** वर्णन करेगा।
  - **पौराणिक समुद्र मंथन (Ocean Churning)** और **अमृत कलश (Nectar Pot) के उद्भव** जैसी ऐतिहासिक घटनाओं को दृश्यात्मक रूप से पुनः प्रस्तुत किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - इस शो का उद्देश्य **प्रयागराज के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व को उजागर करना है** तथा तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना है।
- **महाकुंभ की तैयारियाँ:**
  - प्रत्येक बारह वर्ष में आयोजित होने वाला यह महाकुंभ **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा।**
  - राज्य सरकार प्रयागराज में मंदिरों, **गंगा** घाटों, पार्कों, सड़कों और फ्लाईओवरों के **विकास और सौंदर्यीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।**
  - मुख्यमंत्री ने तैयारियों की प्रगति का निरीक्षण करने के लिये **प्रयागराज का कई बार दौरा किया है।**

कुंभ मेला

- यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है अर्थात्-
  - **हरिद्वार** में, **गंगा** के तट पर।
  - **उज्जैन** में, **शिप्रा** के तट पर।
  - **नासिक** में, **गोदावरी (दक्षिण गंगा)** के तट पर।
  - **प्रयागराज** में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य **सरस्वती के संगम** पर।
- **कुंभ के विभिन्न प्रकार:**
  - कुंभ **मेला 12 वर्षों में 4 बार** मनाया जाता है।
  - **हरिद्वार और प्रयागराज** में, **अर्द्ध-कुंभ मेला हर 6 वें वर्ष** आयोजित किया जाता है।
  - **महाकुंभ मेला** 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
  - **प्रयागराज में हर साल माघ (जनवरी-फरवरी)** महीने में **माघ कुंभ** मनाया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/drone-show-in-mahakumbh-2025